[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No. 2022

Sr. No. of Question Paper : 4048 **C**

Unique Paper Code : 12131501

Name of the Paper : Vedic Literature

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi-19

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. All questions are compulsory

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से **एक–एक** मन्त्र की व्याख्या कीजिए : (6+6=12)

Explain **One** Mantra from each section :

खण्ड (क) / Section A

(अ) अग्निमीळे पुरोहित यज्ञस्य देवमृत्विजम् ।
होतारं रत्नधातमम् ।।

(ब) उष: प्रतीची भुवनानि विश्वोर्ध्वा तिष्ठस्यमृतस्य केतु: ।
समानमर्थं चरणीयमाना चक्रमिव नव्यस्या ववृत्स्व ।।

खण्ड (ख) / Section B

(अ) य आत्मदा बलदा यस्य विश्व उपासते प्रशिषं यस्य देवा: ।
यस्य छायामृतं यस्य मृत्यु: कस्मै देवाय हविषा विधेम ।।

(ब) नीचा वर्तन्ते उपरि स्फुरन्त्यहस्तासो हस्तवन्तं सहन्ते ।

दिव्या अंगारा इरिणे न्युप्ताः शीताः सन्तो हृदयं निर्दहन्ति ।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो मंत्रों का अनुवाद कीजिए : (12)

Translate any **three** out of the following Mantras :

(क) न मां मिमेथ न जिहीळ एषा शिवा सखिभ्य उत मह्यमासीत् ।

अक्षस्याहमेकपरस्य हेतोरनुव्रतामप जायामरोधम् ।।

(ख) अग्निना रयिमश्नवत् पोषमेव दिवेदिवे ।

यशसं वीरवत्तमम् ।।

(ग) तपसा चीयते ब्रह्म ततः अन्नम् अभिजायते ।

अन्नात् प्राणः मनः सत्यं लोकाः कर्मसु च अमृतम् ।।

3. उषस् के वैदिक स्वरूप पर प्रकाश डालिए । (10)

Describe the Vedic features of **Usas**.

अथवा / **OR**

संज्ञान सूक्त के सामाजिक महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ।

Describe the Social importance of Samjnana Sukta.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए : (3+3=6)

Write note on any **Two** of the following :

(क) क्त्वार्थक प्रत्यय

(ख) वैदिक स्वरित

(ग) तुमर्थक प्रत्यय

(घ) वैदिक सुबन्त

5. प्रश्न संख्या एक के खण्ड एक से किसी एक मन्त्र का पदपाठ प्रस्तुत कीजिए । (6)

Render into Padapatha any **One** of the Mantras from section A of question No. 1.

अथवा / OR

पदपाठ के प्रमुख छः नियमों का सोदाहरण वर्णन कीजिए ।

Describe the Six main rules of Padapatha.

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक खण्ड में से एक मन्त्र लेकर कुल दो मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : (6+6=12)

Explain any **Two** Mantras choosing one from each section :

खण्ड (क) / Section A

(अ) ब्रह्मा देवानां प्रथमः सम्बभूव विश्वस्य कर्त्ता भुवनस्य गोप्ता ।

स ब्रह्मविद्यां सर्वविद्याप्रतिष्ठामथर्वाय ज्येठपुत्राय प्राह ।।

(ब) काली कराली च मनोजवा च सुलोहिता या च सुधूम्रवर्णा ।

स्फुलिंगिनीविश्वरूपी च देवी लेलायमाना इति सप्त जिह्वाः ।।

खण्ड (ख) / Section B

(अ) शिक्षा कल्पो व्याकरण निरुक्तं छन्दो ज्योतिषमिति ।

अथ परा यया तदक्षरमधिगम्यते ।।

(ब) यं यं लोकं मनसा संविभाति विशुद्धसत्त्वः कामयते यांश्व कामान् ।

तं तं लोकं जायते तांश्च कामांस्तस्मादात्मज्ञं ह्यर्चयेद्भूतिकातः ।।

7. मुण्डकोपनिषद् के आधार पर परा और अपरा विद्या की व्याख्या कीजिए । (10)

Explain Pra Vidya and Apra Vidya according to Mundkopanishada.

अथवा / OR

मुण्डकोपनिषद् के आधार पर मोक्ष का स्वरूप प्रतिपादित कीजिए।

Discribe about Moksha according to Mundkopnishada.

8. निम्नलिखित मन्त्र की संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (7)

Explain the following Mantra in Sanskrit :

यस्यां समुद्र उत सिन्धुरापो

यस्यामन्नं कृष्टयः सम्बभूवुः ।

यस्यामिदं जिन्वन्ति प्राणदेजत्

सा नो भूमिः पूर्वपेये दधातु ।।

अथवा / OR

अग्निना रयिमश्नवत् पोषमेव दिवेदिवे ।

यशसं वीरवत्तमम् ।।

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No. 2022

Sr. No. of Question Paper : 4200 **C**

Unique Paper Code : 12137902

Name of the Paper : Art of Balanced Living

Name of the Course : **B.A. (H), DSE – LOCF**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi-19

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(12×3=36)

Answer any **three** of the following questions :

(i) बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर आत्मज्ञान के साधन श्रवण-मनन एवं निदिध्यासन के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

Describe the nature of Hearing (śravaṇa), Reflection (manana) and meditation (nididhyāsana) as method of Self-presentation on the basis of Bṛhadāraṇyakopaniṣad.

(ii) 'योग' शब्द को स्पष्ट करते हुए आधुनिक परिप्रेक्ष्य में योग के महत्त्व को समझाइये।

Explain the importance of yoga in modem perspective by clarifying the word 'Yoga'.

(iii) पातञ्जलयोगदर्शन में वर्णित योग के बहिरंग साधनों का वर्णन कीजिए।

Describe the external means of Yoga described in the Yoga philosophy of Patanjali.

(iv) क्रियायोग का अर्थ स्पष्ट करते हुए चित्तप्रसादन के उपायों का वर्णन कीजिए।

Explaining the meaning of Kriyā Yoga, describe the methods of chittaprasadana.

(v) गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए "ध्यान-योग" की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of Dhyāna-Yoga for balanced living on the basis of Gita.

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5×5=25)

Explain the following :

(i) अध्यात्मज्ञाननित्यत्वं तत्त्वज्ञानार्थदर्शनम् ।

एतज्ज्ञानमिति प्रोक्तमज्ञानं यदतोऽन्यथा ।।

अथवा / OR

यं हि न व्यथयन्त्येते पुरुषं पुरुषर्षभ ।

समदुःखसुखं धीरं सोऽमृतत्वाय कल्पते ।।

(ii) संकल्पप्रभवान्कामांस्त्यक्त्वा सर्वानशेषतः ।

मनसैवेन्द्रियग्रामं विनियम्य समन्ततः ।।

अथवा / OR

यतो यतो निश्चरति मनश्चञ्चलमस्थिरम् ।

ततस्ततो नियम्यैतदात्मन्येव वशं नयेत् ।।

(iii) मन्मना भव मद्भक्तो मद्याजी मां नमस्कुरु ।

मामेवैष्यसि युक्त्वैवमात्मानं मत्परायणः ।।

अथवा / OR

समोऽहं सर्वभूतेषु न मे द्वेष्योऽस्ति न प्रियः ।

ये भजन्ति तु मां भक्त्या मयि ते तेषु चाप्यहम् ।।

(iv) सन्नियम्येन्द्रियग्रामं सर्वत्र समबुद्धयः ।

ते प्राप्नुवन्ति मामेव सर्वभूतहिते रताः ।।

अथवा / **OR**

ये तु धर्म्यामृतमिदं यथोक्तं पर्युपासते ।

श्रद्दधाना मत्परमा भक्तास्तेऽतीव मे प्रियाः ।।

(v) यज्ञशिष्टाशिनः सन्तो मुच्यन्ते सर्वकिल्बिषैः ।

भुञ्जते ते त्वघं पापा ये पचन्त्यात्मकारणात् ।।

अथवा / **OR**

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः ।

स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते ।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : (3.5×2=7)

Explain any **two** of the following :

(i) चितिशक्तिरपरिणामिन्यप्रतिसङ्क्रमा दर्शितविषया शुद्धा चानन्ता च ।

(ii) दृष्टानुश्रविकविषयवितृष्णस्य वशीकारसंज्ञा वैराग्यम् ।

(iii) नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः ।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए :

Explain any **one** of the following in Sanskrit : (7)

(i) समाधि

(ii) परवैराग्य

(iii) ध्यानयोग

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No. 2022

Sr. No. of Question Paper : 4335 C

Unique Paper Code : 12137902

Name of the Paper : Art of Balanced Living

Name of the Course : B.A. (H), DSE – LOCF

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (12×3=36)

Answer any **three** of the following questions :

(i) 'श्रोतव्य श्रुतिवाक्येभ्यो मन्तव्यश्चोपपत्तिभिः।' के आधार पर ब्रह्मसाक्षात्कार के साधन श्रवण-मनन एवं निदिध्यासन का वर्णन कीजिए ।

'Śrotavya śrutivākyebhyo mantavyaścopapattibhih' on this basis, describe the nature of Hearing (śravaṇa), Reflection (manana) and meditation (nididhyāsana) as methods of Self-presentation.

(ii) योगदर्शन में योग के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए चित्तवृत्तिनिरोध के उपायों का वर्णन कीजिए ।

Explaining the nature of yoga in the Yoga philosophy, describe the methods of cittavṛttinirodha.

(iii) पातञ्जलयोगदर्शन में वर्णित अष्टांग-योग का वर्णन कीजिए।

Describe the Aṣṭāṅgayoga mentioned in the Yoga philosophy of Patanjali.

(iv) क्रियायोग का अर्थ स्पष्ट करते हुए चित्तप्रसादन के उपायों का वर्णन कीजिए।

Explaining the meaning of Kriyā-Yoga, describe the methods of chittaprasadana.

(v) गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'भक्ति-योग' की महत्ता का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of "Bhakti-Yoga" for balanced living on the basis of Gita.

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5×5=25)

Explain the following :

(i) य एनं वेत्ति हन्तारं यश्चैनं मन्यते हतम्।

उभौ तौ न विजानीतो नायं हन्ति न हन्यते ।।

अथवा / OR

कार्यकरणकर्तृत्वे हेतुः प्रकृतिरुच्यते ।

पुरुषः सुखदुःखानां भोक्तृत्वे हेतुरुच्यते ।।

(ii) प्रशान्तमनसं ह्येनं योगिनं सुखमुत्तमम् ।

उपैति शान्तरजसं ब्रह्मभूतकल्मषम् ।।

अथवा / OR

आत्मौपम्येन सर्वत्र समं पश्यति योऽर्जुन ।

सुखं वा यदि वा दुःखं स योगी परमो मतः ।।

(iii) समोऽहं सर्वभूतेषु न मे द्वेष्योऽस्ति न प्रियः ।

ये भजन्ति तु मां भक्त्या मयि ते तेषु चाप्यहम् ।।

अथवा / OR

अनन्याश्चिन्तयन्तो मां ये जनाः पर्युपासते ।

तेषां नित्याभियुक्तानां योगक्षेमं वहाम्यहम् ।।

(iv) ये तु सर्वाणि कर्माणि मयि सन्न्यस्य मत्पराः ।

अनन्येनैव योगेन मां ध्यायन्त उपासते ।।

अथवा / OR

अथैतदप्यशक्तोऽसि कर्तुं मद्योगमाश्रितः ।

सर्वकर्मफलत्यागं ततः कुरु यतात्मवान् ।।

(v) नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मणः ।

शरीरयात्रापि च ते न प्रसिद्ध्येदकर्मणः ।।

अथवा / OR

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः ।

स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते ।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : (3.5×2=7)

Explain any **two** of the following :

(i) चित्तं हि प्रख्याप्रवृत्तिस्थितिशीलत्वात् त्रिगुणम् ।

(ii) ज्ञानस्यैव पराकाष्ठा वैराग्यम् ।

(iii) यो मां पश्यति सर्वत्र सर्वं च मयि पश्यति ।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए : (7)

Explain any **one** of the following in Sanskrit :

(i) प्राणायाम

(ii) अहिंसा

(iii) ज्ञानयोग

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No. 2022

Sr. No. of Question Paper : 4340 C

Unique Paper Code : 12137908

Name of the Paper : Fundamentals of Ayurveda

Name of the Course : B.A. (H) DSE

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi-19

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. Answers **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. अष्टाङ्ग आयुर्वेद का वर्णन करें। (15)

Describe the eight components of Ayurveda (Astanga Ayurveda).

अथवा / Or

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए –

Comment on any **three** of the following :

त्रिदोष, पञ्चमहाभूत, त्रिगुण, वाजीकरण, पथ्य – अपथ्य।

2. भारतीय आयुर्वेद की ऐतिहासिक परम्परा का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। (15)

Describe the historic tradition of Indian aayurved in detail.

अथवा / Or

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-

Write short notes on any **three** of the following :

(i) आयुर्वेद की प्रमुख विशेषताएं।

(ii) स्वास्थ्य

(iii) दिनचर्या

(iv) वर्षाऋतुचर्या

(v) ग्रीष्मऋतुचर्या

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए- (15)

Write short notes on any **three** of the following :

चरक, सुश्रुत, वाग्भट, माधव, शाङ्र्गधर, भावमिश्र।

अथवा / Or

आयुर्वेद की पुनर्वसु की ऐतिहासिक परम्परा का विवेचन कीजिए।

Explain the historic tradition of Punarvasu.

4. ऋतु के अनुसार आहार विहार के लाभ का विवेचन कीजिए। (15)

Discuss about the profit of food habit (ahara) and habits (vihar) as according to season.

अथवा / Or

हेमन्त, शिशिर एवं वसन्त ऋतु में पथ्य-अपथ्य का विवेचन कीजिए।

Describe regimen of fall winter (Hemanta), autumn (Sisira) & spring (Vasanta) seasons.

5. तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली में वारुणि ने पिता से क्या जिज्ञासा की? और पिता ने क्या उत्तर दिया, सङ्क्षेप में लिखिए। (15)

What did Vaaruni desire from his father in Bhriguvalli of Taittiriyopnishad? And what did his father answer? Write briefly.

अथवा / Or

तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली के अनुसार पञ्चभूतों की उत्पत्ति किससे हुई?

What are the causes for the development of five substances according to Bhriguvalli of Taittiriyopanishad?

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No....2022.........

Sr. No. of Question Paper : 4613 **C**

Unique Paper Code : 12131502_OC

Name of the Paper : Sanskrit Grammar

Name of the Course : **B.A. (H) (CBCS)**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

भाग क / Section A

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं पांच** पदों का सूत्र निर्देश पूर्वक संधि-विच्छेद कीजिए : (5×2=10)

Disjoin Sandhis in **any five** of the following quoting relevant sutras :

धात्वंशः, हरये, गङ्गोदकम्, सच्चित्, तन्मात्रम्, पुरुषो हसति, हरी रम्यः

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate **any two** of the following :

मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः, हलोऽनन्तराः संयोगः, वृद्धिरेचि, शात्

3. निम्नलिखित में से **किन्ही दो** संज्ञाओं की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए : (2×3=6)

Explain with examples **any two** technical terms of the following :

दीर्घः, अनुदात्तः, संहिता, पदम्, इत्

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए :

(4×1=4)

Write the letters of **any four** of the प्रत्याहार.

अण्, एच्, र, भष्, खर्, हश्, झश्

5. निम्नलिखित **किन्हीं चार** वर्णों के उच्चारण स्थान तथा आभ्यन्तर प्रयत्न लिखिए : (4×2=8)

Write the स्थान and आभ्यन्तर प्रयत्न of **any four** words of the following :

ओ, ङ्, छ्, र्, द्, भ्, ह्, ड्

भाग ख / Section B

6. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (4×2=8)

Explain and illustrate **any two** of the following sutras :

समर्थ:पदविधि:, अव्ययीभावे चाऽकाले, तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन, न लोपो नञः, अल्पाच्तरम्

7. अन्विति 1 से तीन तथा अन्विति 2 से दो पदों को चुनकर कुल **पांच** पदों में सूत्रोल्लेखपूर्वक समास सिद्धि कीजिए : (5×3=15)

Choosing **Three** compounds from Unit 1 and two compounds from Unit 2, explain total five formations with relevant sutras with their names :

अन्विति 1

सुमद्रम्, पञ्चगङ्गम्, द्विजार्थः, राजपुरुषः, अब्राह्मणः

अन्विति 2

पीताम्बरः, धवखदिरौ, ईशकृष्णौ, पितरौ

8. निम्नलिखित में से किन्ही **पांच** का सूत्र निर्देश पूर्वक प्रकृति-प्रत्यय विभाग कीजिए : (5×2=10)

Split the base and suffixes in **any five** out of the following mentioning the sutr :

कारक, कर्ता, स्नातम्, एधनीयम्, पचन्तम्, चेयम्, हसनम्

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए : (2×3=6)

Choosing **two** sutras explain and illustrate the following :

कर्मण्यण्, युवोरनाकौ, लटः शतृशानचावप्रथमासमानाधिकरणे, निष्ठा